ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लिए सही राह पर यूपी, दोगुनी करनी होगी रफ्तार: योगी

● मंत्रियों और अफसरों से ईज ऑफ लिविंग व रोजगार सृजन की दिशा में विशेष प्रयास करने पर दिया बल

मुख्यमंत्री ने कहा, राष्ट्रीय विकास दर से बेहतर रही प्रदेश की वृद्धि दर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को ईज ऑफ लिविंग तथा अधिकाधिक रोजगार सृजन की दिशा में विशेष प्रयास करने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया के बेस्ट प्रैक्टिसेज को देखें-अध्ययन करें और आवश्यकतानुसार लागू करें।

मुख्यमंत्री सोमवार को शास्त्री भवन में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने के संकल्प की पूर्ति की दिशा में जारी प्रयासों व अब के परिणामों और भावी नीति पर विमर्श कर रहे थे। नियोजन विभाग द्वारा आयोजित बैठक में प्रदेश सरकार के विभिन्न मंत्री उपस्थित रहे। बैठक में नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव और कंसल्टिंग एजेंसी डेलॉयट इंडिया ने विस्तार से प्रदेश के आर्थिक परिवेश की वर्तमान स्थिति और संभावित भावी परिणाम, उद्योग जगत की अपेक्षाओं आदि के संबंध में सेक्टरवार विस्तार से जानकारी दी। विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि 7 वर्षों के नियोजित प्रयासों से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था आज सार्वकालिक सर्वश्रेष्ठ स्थिति में है। 2021-22 में प्रदेश की कुल जीडीपी 16.45 लाख करोड़ थी जो आज 2023-24 में 25.48 लाख करोड़ हो गई है। राष्ट्रीय आय में उत्तर प्रदेश 9.2 प्रतिशत का योगदान कर रहा है। उत्तर प्रदेश आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है। उन्होंने बताया कि 2021-22 में प्रचलित भावों पर उत्तर प्रदेश की वृद्धि दर 20.1 प्रतिशत रही, जबकि स्थायी भाव पर 9.8त्न रही। इसी प्रकार, 2023-24 में स्थायी भाव पर प्रदेश में 8 प्रशित की वृद्धि दर दर्ज की गई और प्रचलित भाव पर 12.8 प्रतिशत वृद्धि दर रही। यह स्थिति दर्शाती है कि प्रदेश विकास की सही राह पर है। हमें अपने प्रयासों को और नियोजित रीति से आगे बढ़ाना होगा।

2021-22 से 2023-24 के बीच प्रदेश का कम्पाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट लगभग 15.7 प्रशित दर्ज किया गया है। यह स्थिति उत्साहजनक है। वर्ष 2027 तक चन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य पूरा करने के लिए अगले05 वर्षों में हमें अपनी वृद्धि दर को दोगुने से अधिक बढ़ाना होगा। सभी विभागों को अपने प्रयास तेज करने होंगे। बेहतर प्लानिंग करनी होगी। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है। सभी को मिलकर सही नीति और नियोजित क्रियान्वयन के लिए प्रयास करना होगा। आंकड़ों का संग्रहण शुद्धता के साथ होना आवश्यक है।

विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बनानी होगी ठोस कार्ययोजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2023 में घोषित पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की रिपोर्ट के अनुसार 2022 में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक पर्यटक आगमन वाला प्रदेश हो गया है।

प्रदेश में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। अयोध्या, मथुरा-वृंदावन, काशी, प्रयागराज, नैमिषारण्य इसके महत्वपूर्ण केंद्र हैं। विगत 7 वर्षों में यहां व्यापक परिवर्तन हुआ है। टूरिस्ट फुटफॉल अभूतपूर्व रूप से बढ़ा है। यह टूरिस्ट फुटफॉल लोकल इकॉनमी को बढ़ावा देने वाला है। इस पर अध्ययन कराएं। अगले वर्ष प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन है। करोड़ों लोगों का आगमन होगा। यह पूरे प्रदेश की अर्थव्यवस्था में बड़ा असर डालने वाला होगा। योगी ने कहा कि इस पर अध्ययन होना चाहिए। घरेलू पर्यटकों के साथ-साथ हमें विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनानी होगी। वर्ष 2022-23 के सापेक्ष 2023-24 में प्रदेश में पंजीकृत कुल (कॉमर्शियल) वाहनों में 36.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। देश में कुल पंजीकृत वाहनों में प्रदेश की हिस्सेदारी 12.7 प्रतिशत है। इसे और बढ़ाने के लिए नीतिगत प्रयास किया जाना चाहिए। प्रदेश की बेरोजगारी दर 2017-18 में जहां 6.2 प्रतिशत थी आज 2.4त्न रह गई है। इसके साथ ही महिला श्रम बल में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। यह 2017-18 में 13.5 प्रतिशत थी आज 2022-23 में 31.2 प्रतिशत तक पहुंच गया है। चन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य की पूर्ति के लिए हमें निजी और सार्वजनिक निवेश को और बढ़ाना होगा। नीतिगत सुधारों के क्रम सतत जारी रखें। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्राप्त 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों में से 10 लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाएं धरातल पर उतरी जा चुकी हैं। शेष एमओयू की समीक्षा करें, निवेशकों से संवाद करें। हमें यथाशीघ्र अगले जीआईएस की तैयारी करनी चाहिए। निवेशकों से संपर्क-संवाद का क्रम जारी रखना चाहिए। नए सेक्टर-नए निवेशकों से भी संवाद करें। उन्हें प्रदेश की यूएसपी से अवगत कराएं। इन्वेस्टर आउटरीच को और बेहतर करने की आवश्यकता है। चन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लिए हर विभाग का लक्ष्य पहले से ही निर्धारित है। इसकी प्रगति की सतत समीक्षा आवश्यक है। विभागीय मंत्री व एसीएस/ प्रमुख सचिव के साथ नियोजन विभाग द्वारा मासिक प्रगति समीक्षा की जाए। मुख्य सचिव स्तर पर हर सप्ताह एक सेक्टर की समीक्षा की जाए। जिला उद्योग केंद्रों को और एक्टिव करें।